सीरी का 57वाँ स्थापना दिवस समारोह

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में 21 सितंबर, 2009 को **57वाँ स्थापना दिवस** समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष अपना स्थापनादिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। इस वर्ष समारोह के मुख्य अतिथि बिरला प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान संस्थान(बिट्स), पिलानी के कुलपति एवं सुप्रसिद्ध शिक्षाविद **प्रो. एल के माहेश्वरी** थे। संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित इस भव्य समारोह में संस्थान के सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों, पूर्व सहकर्मियों, बिट्स तथा बिरला शिक्षण संस्थान के अधिकारियों तथा पत्रकारों के अतिरिक्त पिलानी के विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए।

दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि

कार्यक्रम का शुभारंभ सीरी विद्या मंदिर की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत **सरस्वती वंदना** से हुआ। इस अवसर पर संस्थान निदेशक **डॉ चंद्रशेखर** ने पिछले एक वर्ष में संस्थान द्वारा संपन्न परियोजनाओं, नेटवर्क परियोजनाओं की प्रगति एवं भावी कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी दी तथा परिषद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा विगत वर्ष के दौरान परिषद द्वारा अर्जित उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उनके अनुसार विगत एक वर्ष में संस्थान ने 7 प्रायोजित परियोजनाएँ पूरी की तथा 9 नई परियोजनाएँ आरंभ की। उन्होंने बताया कि इस समय संस्थान में 30 प्रायोजित परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त संस्थान में विभिन्न सीएसआइआर प्रयोगशालाओं के सहयोग से 7 नेटवर्क परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। संस्थान के वैज्ञानिकों के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में 56 शोध पत्र प्रकाशित हुए, 05 कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं तथा 157 प्रशिक्षार्थियों एवं शोध छात्रों का मार्गदर्शन किया गया।

संस्थान की प्रगति एवं भावी कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करते हुए निदेशक महोदय

संस्थान द्वारा किए जाने वाले कार्यों का ब्योरा देते हुए उन्होंने बताया कि इस अवधि में विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत संस्थान ने 40 करोड़ रुपए से अधिक के वित्तीय संसाधन प्राप्त किए। इस वर्ष 6 वैज्ञानिक, 2 कनिष्ठ तकनीकी सहायक, 4 विज्ञान अध्येता, 60 परियोजना सहायकों सहित कुल 91 नए लोग संस्थान से जुड़े। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त 67सहकर्मियों की पदोन्नति हुई तथा 14 सहकर्मी सेवानिवृत्त हुए। इस वर्ष की एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि है - संस्थान में इंजीनियरिंग क्षेत्र में स्नातकोत्तर शोध कार्यक्रम का शुभारंभ। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षार्थियों को सितंबर 2009 से एडवांस्ड सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स तथा हाइ पावर माइक्रोवेव डिवाइसेज़ एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग पर दो वर्षीय गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने सभी सहकर्मियों और उनके परिजनों को संस्थान की 56वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामना दी।

स्थापना दिवस उद्‌बोधन देते हुए मुख्य अतिथि

प्रो. माहेश्वरी ने अपने **स्थापना दिवस उद्‌बोधन** में इस अवसर पर स्वयं को आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा संस्थान की वैज्ञानिक उपलब्धियों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डॉ चंद्रशेखर के नेतृत्व में यह संस्थान सफलता के शिखर की ओर अग्रसर है। उनके अनुसार यह संस्थान अपनी स्थापना के समय से ही इलेक्ट्रॉनिकी शोध के क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान के लिए देश का अग्रणी संस्थान रहा है। इस संस्थान ने देश में श्वेत-श्याम और रंगीन टेलिविज़न तकनीक का विकास कर अपनी पहचान बनाई और समय के साथ रेलवे, प्रतिरक्षा, दूरसंचार तथा चीनी, खान, चाय, कागज़ व लुगदी जैसे परंपरागत उद्योगों के लिए उपयोगकर्ता विभागों की माँग के अनुसार शोध व विकास कार्य पूरे किए। इस संस्थान की यह पुरानी परंपरा अभी भी जारी है तथा उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के साथ-साथ यहाँ सामाजिक सरोकारों से जुड़ी शोध परियोजनाओं के माध्यम से विभिन्न उपलब्धियाँ अर्जित की जा रही हैं। इसमें मेम्स प्रौद्योगिकी पर चल रहा शोध कार्य अत्यंत सराहनीय एवं क्रांतिकारी है। उन्होंने कहा कि कृषि-इलेक्ट्रॉनिकी, खान सुरक्षा, फल भंडारण आदि कई ग्राहकोन्मुखी परियोजनाओं पर प्रशंसनीय कार्य किया गया। उन्होंने स्वीकार किया कि हर शोध समूह ने बड़ी जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाई है परंतु इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका समन्वय एवं समय प्रबंधन की अवश्य रही होगी। उन्होंने इस वर्ष सीरी परिसर में संस्थान द्वारा स्थापित पेय जल सुविधा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। संस्थान के निदेशक को उन्होंने मानव संसाधन के विकास एवं सतत प्रशिक्षण तथा परियोजना के लिए बाह्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त करने के लिए बधाई दी।

सभागार में उपस्थित अतिथिगण एवं सहकर्मी

सीरी तथा बिट्स के आपसी संबंधों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के संबंध सदैव सौहार्द पूर्ण रहे हैं तथा राष्ट्रीय विकास में दोनों ने आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 1989 से बिट्स द्वारा आरंभ किया गया एम ई (सूक्ष्मइलेक्ट्रानिकी) पाठ्यक्रम इस दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 6 ये 11 के विद्यार्थियों के लिए बिट्स-सीरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं की सफलता को देखते हुए कहा कि ये दोनों संस्थान मिलकर देश के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। उनके अनुसार भविष्य में शोध कार्यों में नई अवधारणाओं का विकास हो रहा है जिसमें आपसी तालमेल व समन्वयन, समय प्रबंधन तथा संपर्क शोध (contact research) की आवश्यकता होगी। अतः हमारा दायित्व है कि हम भविष्य को पहचानें और उसे अपने अनुसार ढालें अन्यथा हम शोध क्षेत्र में पिछड़ते चले जाएँगे। इस अवसर पर उन्होंने आश्सवासन दिया कि बिट्स इस संस्थान को सभी कार्यक्रमों में यथासंभव सहयोग देता रहेगा। उनके अनुसार यह संस्थान अपनी अपार क्षमताओं, सुविधाओं तथा कुशल जनशक्ति के बलबूते पर डॉ. चंद्रशेखर जैसे व्यक्ति के नेतृत्व में शोध की नई ऊँचाइयों को छुएगा। अंत में उन्होंने सहकर्मियों को 57वें स्थापना दिवस की शुभकामना दी।

सेवा पुरस्कार प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि

इससे पूर्व उन्होंने क्रमशः 30, 25, 20 और 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान सहकर्मियों को **सेवा सम्मान** प्रदान किए। सेवा सम्मान के अंतर्गत सहकर्मियों को उनके द्वारा संस्थान को दी गई सेवाओं की सराहना की गई तथा उन्हें सम्मानस्वरूप उपहार भेंट किए गए। मुख्य अतिथि के उद्‌बोधन के बाद संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर ने मुख्य अतिथि प्रो माहेश्वरी को शॉल ओढ़ाकर तथा संस्थान की ओर से **स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए निदेशक

इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में समारोह का संचालन करते हुए **श्रीमती प्रियंका जैन**, वैज्ञानिक, ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया एवं सभागार में उपस्थित श्रोताओं को उनकी शैक्षणिक व वैज्ञानिक उपलब्धियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक **श्री राहुल वर्मा** ने **धन्यवाद ज्ञापन** प्रस्तुत किया। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी सहकर्मियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया तथा उन्हें संस्थान के 57वें स्थापना दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का समापन **राष्ट्रगान** के साथ हुआ।

सांस्कृतिक संध्या का एक दृश्य

सांस्कृतिक संध्या

मुख्य समारोह के उपरांत स्थापना दिवस की संध्या पर उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद और पटना के कलाकारों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया जिसमें केन्द्र के कलाकारों ने लोक नृत्य एवं लोक गीतों की मनमोहक एवं सुंदर प्रस्तुतियाँ दी गईं जिनकी उपस्थित जनसमूह ने प्रशंसा की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत संस्थान निदेशक डॉ चंद्रशेखर तथा **श्रीमती रंजना चंद्रशेखर** ने सभी कलाकारों को **स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया।

सांस्कृतिक संध्या के कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट करती हुई श्रीमती रंजना चंद्रशेखर

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन **सुश्री सुनीता आर्य** ने किया। इस प्रकार संस्थान का 57वाँ स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया।